मूल्य : एक प्रति ₹ 0.50 वार्षिक ₹ 5.00

नेशनल बुक ट्रस्ट संवाद

वर्ष 17, अंक 6 जून 2012

अंदर के पृष्ठों में . . . . . ➤

अहमदाबाद राष्ट्रीय पुस्तक मेला	2
गुड़गाँव पुस्तक उत्सव : कुछ छवियाँ	2
एनबीटी कैटलग को पुरस्कार	2
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के नवीनतम प्रकाशन	3
नाइजीरिया अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला	4
मुंबई में ने.बु.ट्र.-किताबखाना गठजोड़ सह पुस्तक लोकार्पण	4
25वाँ तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला	5
पुरी में 22वें हिंदी सम्मेलन व कार्यशाला का आयोजन	5
पुस्तक समीक्षा	6
नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब	7
चिट्ठीघर	8
सेवानिवृत्ति	8

नवीनतम प्रकाशन

जोतिबा फुले :
आधुनिक सामाजिक क्रांति के अग्रदूत
डॉ. नामदेव
पृ. 378 ₹ 160

शिमला पुस्तक मेला

पुस्तक मेला का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल के साथ ट्रस्ट-निदेशक

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा आयोजित शिमला पुस्तक मेला का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल ने 12 मई, 2012 को किया। शिमला के इंदिरा गाँधी खेल परिसर, माल रोड में आयोजित इस पुस्तक मेले में देश भर के पचास से अधिक प्रकाशकों ने भाग लिया। मेला 17 मई तक चला। पुस्तक मेले में प्रकाशकों ने हिंदी एवं अँग्रेजी की पुस्तकों का प्रदर्शन-सह-विक्रय किया, जिसे पुस्तकप्रेमियों का अच्छा प्रतिभाव मिला। विदित हो कि ने.बु.ट्र. देश भर में पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों के द्वारा पुस्तक पठन आदत को बढ़ावा देने एवं पुस्तकोन्नयन के कार्य में लगा हुआ है।

उद्घाटन-अवसर पर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, शिमला के निदेशक श्री पीटर रोनाल्ड डिसूजा विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने अपने स्वागत उद्बोधन में ट्रस्ट की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पुस्तक पठन आदत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ट्रस्ट द्वारा देश भर में पुस्तक मेलों, प्रदर्शनियों आदि के आयोजन के बारे में भी जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन ट्रस्ट के अनुभाग राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र के संपादक श्री मानस रंजन महापात्र ने किया। कार्यक्रम के शुरुआत में मनाल पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा विद्या वंदना प्रस्तुत किया गया।

ट्रस्ट-निदेशक का उद्बोधन

पुस्तक मेले के दौरान तीन दिवसीय साहित्य चौपाल कार्यक्रम का आयोजन मेले का विशेष आकर्षण रहा। इस कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर के संबोधन से हुआ। उन्होंने साहित्य चौपाल के बारे में जानकारी दी तथा अतिथियों का स्वागत किया। चौपाल के पहले दिन अनुवाद को लेकर संगोष्ठी हुई जिसमें प्रो. वरयाम सिंह, प्रो. मीनाक्षी पॉल आदि ने भाग लिया। वक्ताओं ने अनुवाद विधा पर अपने सारगर्भित विचार रखे। दूसरे दिन कथा-कहानी पर आधारित एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. रेखा, एस.आर. हरनोट, बद्री सिंह भाटिया, अरुण भारती आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। तीसरे दिन लेखक एवं चित्रकार से मिलिए कार्यक्रम में लेखक श्री मंगलेश डबराल तथा चित्रकार श्री विजय शर्मा से पुस्तकप्रेमियों की भेंट हुई। इस अवसर पर इन विद्वतजनों से पाठकों का संवाद भी हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिमाचल भाषा संस्कृति विभाग के सचिव श्री तुलसी रमन ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री मानस रंजन महापात्र ने की। पुस्तक मेले का समन्वय ट्रस्ट में उप-निदेशक श्री प्रदीप छाबड़ा ने किया।

विदित हो कि देश में 20 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही पाठकीयता के आलोक में शिमला में पुस्तक मेले का यह आयोजन विशेष महत्व रखता है। इंटरनेट और टीवी के बावजूद मुद्रित पुस्तकों के प्रति पाठकों का स्नेह और उत्साह कम नहीं हुआ है यह शिमला पुस्तक मेले में बड़ी संख्या में आए पाठकों को देखकर सहज ही कहा जा सकता है। शिमला में अब नियमित रूप से पुस्तक मेले का आयोजन हो एनबीटी इसे सुनिश्चित करेगा।

अहमदाबाद राष्ट्रीय पुस्तक मेला

अहमदाबाद पुस्तक मेला अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन, गुजरात प्रकाशक वितरक संघ और नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से 1 से 7 मई, 2012 तक साबरमती रिवरफ्रंट में आयोजित किया गया। पुस्तक मेले का उद्घाटन गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया। अपने उद्घाटन वक्तव्य में उन्होंने कहा कि पठन आदत को बढ़ावा देने के लिए 'वांछे गुजरात' (पढ़े गुजरात) जैसे आंदोलन ने 6 करोड़ गुजराती लोगों में और अधिक ज्ञान प्राप्ति के लिए भूख पैदा की है। पुस्तक मेले पुस्तकप्रेमियों की पुस्तक की प्यास बुझाते हैं और उन्हें नई खोज के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये मेले संस्कृति, परंपरा और सभ्यता के संगम के रूप में होते हैं। श्री मोदी ने कहा कि प्रत्येक घर में एक पुस्तक रूपी मंदिर होना चाहिए। उन्होंने एनबीटी से प्रत्येक वर्ष अहमदाबाद में पुस्तक मेला लगाने का आह्वान भी किया।

उद्घाटन समारोह में ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने राज्य सरकार के रुख की सराहना की। उन्होंने कहा कि कम व्यापार की आशंका से प्रकाशक गुजरात आने के प्रति अनिच्छुक थे और अब राज्य सरकार की यह जिम्मेवारी है कि वह उन्हें यहाँ आने के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित करे।

पुस्तक मेले के सातों दिन साहित्यिक गतिविधियाँ आयोजित हुईं। पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम, कवि सम्मिलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत सभा आदि के आयोजन भी हुए।

विभिन्न आयु वर्ग के पाठकों के साथ संवाद हेतु अनेक प्रख्यात साहित्यिक व्यक्तित्व, यथा–सर्वश्री भोलाभाई पटेल, वैशो दास, आबिद सुरती, विजय सेवक, प्रदीप खांडवाला, राजेंद्र पटेल, डॉ. रीता कोठारी आदि को निमंत्रित किया गया था। श्री सचिन गर्ग और प्रीति शेनॉय द्वारा पुस्तक चर्चा की श्रोताओं की व्यापक सराहना मिली। पुस्तक मेले में देश भर से 180 प्रकाशक/पुस्तक विक्रेताओं की भागीदारी रही। यह पुस्तक मेला लगभग 4000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में लगा था।

गुड़गाँव पुस्तक उत्सव : कुछ छवियाँ

दिल्ली से सटे हरियाणा राज्य के अंतर्गत गुड़गाँव में 20 से 23 अप्रैल, 2012 तक चार दिवसीय पुस्तक उत्सव का आयोजन किया गया। नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया तथा फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इस संयुक्त आयोजन में बड़ी संख्या में पुस्तकप्रेमी, छात्र, अध्यापक, विद्वान तथा पुस्तक से जुड़े लोग आए। गुड़गाँव स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल परिसर, सेक्टर-44 में आयोजित इस उत्सव का उद्घाटन 20 अप्रैल को प्रसिद्ध लेखक तथा स्तंभकार श्री गुरचरण दास ने किया। इस मेले में हैचेट की पब्लिशिंग डायरेक्टर वत्सला कौल बनर्जी, बाल लेखिका पारो आनंद, फिल्म लेखक अद्वैत काला तथा ट्रस्ट-निदेशक एम.ए. सिकंदर समेत अनेक महत्वपूर्ण हस्तियों ने शिरकत की।

पुस्तक उत्सव के दौरान 'रीडिंग बुक्स इन डिजिटल एज' विषय पर एक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा मेले में पठन सत्र, पैनल चर्चाएँ और विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया। विदित हो कि इस पुस्तक उत्सव में ट्रस्ट की अँग्रेजी व हिंदी भाषाओं की पुस्तकें प्रदर्शित की गई थीं।

एनबीटी कैटलग को पुरस्कार

20वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले, 2012 के अवसर पर नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा प्रकाशित 'प्वाइंट ऑफ व्यू' शीर्षक भारतीय सिनेमा पर पुस्तकों के प्रतिलिप्यधिकार सूची के प्रलेखन को 'सखा अवार्ड 2012' प्रदान किया गया। सिनेमा से लेकर फिल्मी कलाकार, आलोचक, पत्रकार, संपादक आदि क्षेत्रों में योगदान के लिए पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ ओल्ड ब्वॉयज एसोसिएशन तथा सखा कल्चरल सोसायटी द्वारा प्रवर्तित यह पुरस्कार 6 मई, 2012 को प्रदान किया गया। ट्रस्ट की ओर से इस सम्मान को ट्रस्ट में संपादक श्री कुमार विक्रम ने प्राप्त किया।

विदित हो कि इस सूचीपत्र में अँग्रेजी समेत सभी महत्वपूर्ण भारतीय भाषाओं में 80 से अधिक प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित लगभग 300 पुस्तकों का विवरण दिया गया है। प्रतिलिप्यधिकार के आदान-प्रदान के उद्देश्य से प्रकाशित यह सूचीपत्र प्रकाशकों एवं सिनेमा प्रेमियों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह सूचीपत्र ने.बु. ट्रस्ट के विक्रय केंद्र पर उपलब्ध है।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के नवीनतम प्रकाशन

जोतिबा फुले : आधुनिक सामाजिक क्रांति के अग्रदूत
डॉ. नामदेव
पृ. 378 ₹ 160
दलित मुक्ति के उन्नायक जोतिबा फुले ने हिंदू धर्म की वर्णवादी व्यवस्था के खिलाफ और समता मूलक समाज रचना के लिए बड़ा काम किया था। हाशिये के लोगों, पद दलितों की वे आवाज थे। उन्हीं के जीवन एवं कर्म को दर्शाती है यह पुस्तक।

मुद्रा का संसार
स्वर्ण सुमन, अमिय आनंद
पृ. 192 ₹ 135
सिक्कों का इतिहास, कागजी मुद्रा का इतिहास और नोटों का मुद्रण व सिक्कों की ढलाई सहित संबंधित विषय पर व्यापक जानकारी है इस पुस्तक में।

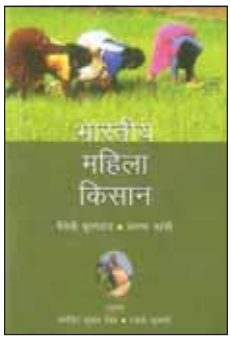

भारतीय महिला किसान
मैत्रेयी कृष्णराज, अरुणा कांची
अनुवाद : अरविंद कुमार सिंह, रजनी कुमारी
पृ. 130 ₹ 70
भारतीय कृषि जगत में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है यह पुस्तक। इस शोधजनित पुस्तक में महिला कृषक की समस्याओं, भारत में महिला किसानों की अप्रत्यक्षता आदि पर भी विस्तृत चर्चा है।

एक अध्यापक का सफरनामा
रामजी दूबे
पृ. 110 ₹ 70
तेत्सुको कुरोयानागी की पुस्तक 'तोत्तो चान' से प्रभावित होकर लेखक ने इस पुस्तक की रचना की है। 'तोत्तो चान' शिक्षा, विशेषकर बाल मनोविज्ञान पर आधारित पुस्तक है। चौबीस अध्यायों में लेखक ने स्कूल जीवन के कई रोचक प्रसंगों की याद की है।

कश्मीर से कन्याकुमारी
डॉ. राजेश कुमार व्यास
पृ. 142 ₹ 90
कश्मीर से कन्याकुमारी की यात्रा सनातन भारत से एक मुलाकात है। हर क्षेत्र के लोग, उनके रहन-सहन, संस्कृति और परंपराएँ अलग-अलग होती हैं। इस पुस्तक को पढ़कर इन सभी आयामों से पाठक अवगत हो पाता है।

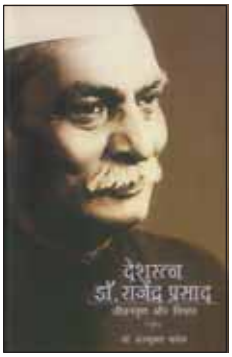

देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद : जीवनवृत्त और विचार
डॉ. ब्रजकुमार पांडेय
पृ. 232 ₹ 110
डॉ. राजेंद्र प्रसाद देश के पहले राष्ट्रपति थे। चंपारण सत्याग्रह से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राजेंद्र बाबू ने देश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर भाग लिया और संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष बने थे। ऐसे ही सत्यनिष्ठ राष्ट्रपति के जीवन एवं विचार पर यह पुस्तक।

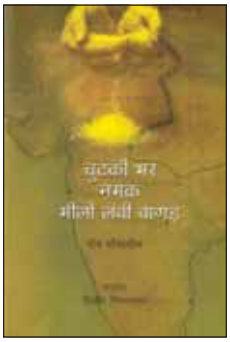

चुटकी भर नमक : मीलों लंबी बागड़
रॉय मॉक्सहैम, अनुवाद : दिलीप चिंचालकर
पृ. 160 ₹ 80
यात्रा कथा और ऐतिहासिक जासूसी कहानी का असाधारण मेल है यह पुस्तक। भारत में अँग्रेजी राज के प्रशासनिक कारकों और व्यवस्थाओं का यह एक झरोखा है जो एक व्यक्ति की सनक भरी कहानी से जुड़ा है।

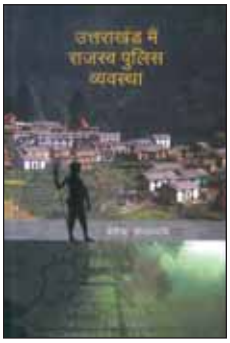

उत्तराखंड में राजस्व पुलिस व्यवस्था
देवेंद्र उपाध्याय
पृ. 136 ₹ 80
पूरे देश में राजस्व व भूप्रबंधन के कार्य की स्वीकृत व्यवस्था से इतर उत्तराखंड में राजस्व पुलिस व्यवस्था के तहत राजस्व कर्मचारी कानून-व्यवस्था की देखभाल ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की ही तरह करते हैं। ऐसा केवल इसी राज्य में होता है। इस समूची व्यवस्था पर प्रकाश डालती है यह पुस्तक।

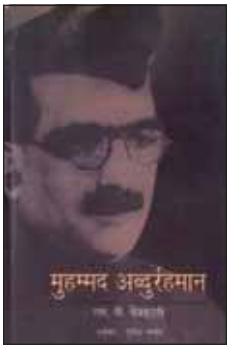

मुहम्मद अब्दुर्रहमान
एन.पी. चेक्कुट्टी, अनुवाद : मुकेश भार्गव
पृ. 112 ₹ 65
भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे मुहम्मद अब्दुर्रहमान। बाद में वे केरल प्रदेश काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने। केरल के मोपला लोगों को मुख्यधारा में लाने में उनका बड़ा योगदान रहा। देशभक्त अब्दुर्रहमान की जीवनी पुस्तक है यह।

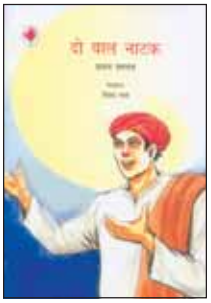

दो बाल नाटक
प्रताप सहगल; पृ. 36 ₹ 45
दो संदेशपरक बाल नाटक।

रहमान चाचा
प्रकाश मनु; पृ. 28 ₹ 35
सोनू बड़ा होकर रहमान चाचा जैसा पुलिस अधिकारी बनना चाहता था, पर क्यों? पढ़ें यह पुस्तक।

नाइजीरिया अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला

अफ्रीका के एक देश नाइजीरिया में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की ओर से राजधानी लागोस में यूनीवर्सिटी ऑफ लागोस के मल्टीपरपज हॉल में 11वें नाइजीरिया पुस्तक मेले का आयोजन संपन्न हुआ। पुस्तक मेले में नाइजीरिया, जिम्बाब्वे, भारत, यू.ए.ई., घाना, यू.के., टर्की, यू.एस.ए. के तकरीबन 90 प्रकाशक अपने नवनीतम प्रकाशन के साथ मौजूद थे।

इस पुस्तक मेले में भारत के 35 से अधिक हिंदी-अँग्रेजी प्रकाशक मौजूद थे। पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का मंडप खासा चर्चा में बना रहा। ट्रस्ट ने इस अवसर पर 'बुक्स फॉम इंडिया' के नाम से खास तौर से एक सूचीपत्र तैयार किया था। ट्रस्ट की ओर से तकरीबन 200 से अधिक हिंदी व अँग्रेजी पुस्तकें मेले में प्रदर्शित थीं, जिसमें ज्ञान, विज्ञान, साहित्य, इतिहास, रोचक जानकारियाँ, स्वास्थ्य, गणित, महिला संबंधी पुस्तकें, जीवनियाँ, शब्दकोश, बच्चों के खेल इत्यादि पर पुस्तकें प्रमुख थीं। तमाम विषयों पर प्रदर्शित पुस्तकें पाठकों के बीच कौतूहल का विषय बनी हुई थीं।

मेले में घूमने आए हर आयु वर्ग के पाठकों ने प्रदर्शित पुस्तकें पसंद कीं। कई उत्साहित पाठकों ने ट्रस्ट की पुस्तकों का विक्रय केंद्र नाइजीरिया में खोलने की अपील भी की। मेले में मौजूद ट्रस्ट के संपादक डॉ. ललित किशोर मंडोरा ने आगंतुकों को प्रदर्शित पुस्तकों, ट्रस्ट की गतिविधियों व आगामी पुस्तक मेले की जानकारी दी। स्कूली बच्चों ने भारतीय पुस्तकों को पूरे मनोयोग से देखा, उन्हें छुआ और कई तो किताबें पढ़ने वहीं बैठ भी गए।

भयंकर गर्मी के बावजूद पाठकों के चेहरे पुस्तकों के प्रति उत्साह से भरे नजर आए। हर पाठक की नजर अपनी मनपसंद पुस्तकें खोज रही थी। ट्रस्ट की पुस्तकें केवल प्रदर्शनार्थ थीं, विक्रयार्थ नहीं। इससे अनेक पाठक मायूस हुए। स्टॉल पर मौजूद अधिकारी ने उन्हें ट्रस्ट के सूचीपत्र इत्यादि प्रदान किए और हर संभव सहायता प्रदान करने का वादा भी किया।

भारतीय दूतावास की प्रथम सचिव श्रीमती रानी मलिक ने भी ट्रस्ट के स्टॉल का अवलोकन किया और ट्रस्ट तथा अन्य प्रकाशकों की पुस्तकों की सराहना करते हुए कहा—नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकें अपनी छाप छोड़ती हैं, किफायती तो हैं ही, उम्दा

ट्रस्ट के स्टॉल पर पुस्तक का अवलोकन करती एक अफ्रीकी युवती

जानकारियाँ भी इसमें मिलती हैं। प्रथम सचिव ने पुस्तक मेले में नियमित रूप से भाग लेने का ट्रस्ट से अनुरोध भी किया। लागोस शहर में डेढ़ लाख से ज्यादा भारतीय विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत हैं। उनमें से कइयों ने कार्यालय से अवकाश कर भारतीय पुस्तकों का अवलोकन किया। पुस्तक मेले में हर आयु वर्ग के पाठक-खरीदार मौजूद थे। लग ही नहीं रहा था कि आप किसी दूसरे देश में हैं। पुस्तकों के प्रति जैसी दीवानगी किसी भारतीय शहर में देखी जाती है वैसा ही प्यार और स्नेह लागोस के इस 11वें अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में देखने को मिला।

नेशनल बुक ट्रस्ट के स्टॉल पर नाइजीरियन बुक फेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री सेमुअल कोलावोले और कार्यकारी सचिव श्री अबायोडम ओमोतुबी भी आए। पुस्तक मेले में ट्रस्ट के स्टॉल पर पत्रकार, लेखक और अनेक गणमान्य विद्वानों ने ट्रस्ट की पुस्तकों का अवलोकन किया और भारतीय प्रकाशनों की सराहना की।

मेले के दौरान आयोजक ने बच्चों के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। नाइजीरिया में पाठकों का पुस्तकों के प्रति उत्साह देखते ही बनता था।

मुंबई में ने.बु.ट्र.-किताबखाना गठजोड़ सह पुस्तक लोकार्पण

पुस्तक लोकार्पण का एक दृश्य

23 अप्रैल, 2012 को मुंबई में आयोजित एक समारोह में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ने औपचारिक रूप से मुंबई के किताबखाना से हाथ मिलाया। मुंबई में ने.बु.ट्र. की पुस्तकों का यह एक अभिनव केंद्र होगा। ट्रस्ट और किताबखाना के बीच हुए इस जुड़ाव की खास बात यह है कि किताबखाना पुस्तक केंद्र में ट्रस्ट की पुस्तकों का एक अलग शेल्फ बनाया गया है। इस जुड़ाव की औपचारिक घोषणा प्रख्यात अभिनेता श्री फारूख शेख ने रिबन के फीते काटकर की। श्री शेख ने इस अवसर पर कहा, "यह खुशी की बात है कि एनबीटी और किताबखाना ने आम लोगों में पुस्तकों के प्रोन्नयन के उद्देश्य से संयुक्त रूप से काम करने का निर्णय लिया है। देश में पुस्तक पठन आदत को बढ़ावा देने के लिए एनबीटी के प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ। यह जुड़ाव इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।"

इस औपचारिक उद्घाटन के बाद किताबखाना समूह और एनबीटी के बीच समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर ट्रस्ट की संयुक्त निदेशक (प्रशा.) श्रीमती फरीदा एम. नाईक ने कहा कि एनबीटी इस जुड़ाव से बेहद खुश है और यह उम्मीद करता है कि भविष्य में किताबखाना के सहयोग से विभिन्न साहित्यिक एवं पुस्तकोन्नयन से जुड़ी गतिविधियाँ यहाँ होती रहेंगी। किताबखाना की स्वामिनी सुश्री अमृता सोमय्या ने एनबीटी से जुड़ने पर खुशी जाहिर की।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में ट्रस्ट की दो नई पुस्तकों का श्री फारूख शेख द्वारा लोकार्पण किया गया। पुस्तक लोकार्पण का यह कार्यक्रम विश्व पुस्तक एवं प्रतिलिप्यधिकार दिवस के एक भाग के रूप में था, जो सारे देश में मनाया गया। लोकार्पित पुस्तकों के नाम हैं—*एक्सरसाइजिंग फॉर गुड हेल्थ*—डॉ. पारुल आर. शेठ तथा *व्हाट इज साईंस*—प्रो. सुंदर सरुक्कई।

पुस्तक का लोकार्पण करते हुए श्री फारूख शेख ने फिटनेस और स्वास्थ्य की अवधारणा के प्रति चेतना जगाने वाली व्यायाम पर आधारित इस तरह की पुस्तक की प्रशंसा की। दूसरी पुस्तक के संबंध में उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में विज्ञान के संबंध में कई अनोखी बातें लिखी हुई हैं। चर्चा-विमर्श सत्र में प्रो. ए.पी. देशपांडे ने *एक्सरसाइजिंग फॉर गुड हेल्थ* पुस्तक को सभी के पढ़ने के लिए जरूरी किताब बताया। डॉ. बाल फोंडके के वक्तव्य को पढ़कर सुनाया गया। डॉ. पारुल आर. शेठ ने भी इस अवसर पर अपनी बातें कहीं। इससे पूर्व श्री सुमित भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक (परियोजना) ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री एस.एम. रिजवी, प्रबंधक–विक्रय एवं विपणन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समन्वय ट्रस्ट की अँग्रेजी भाषा संपादक श्रीमती कंचन वांचू ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही।

25वाँ तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला

ने.बु.ट्र. के स्टॉल का एक दृश्य

25वें तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले का आयोजन 2 से 12 मई, 2012 तक ईरान की राजधानी तेहरान में इमाम खोमेनेई ग्रैंड प्रेयर हॉल, मोसल्लाह ग्राउंड में संपन्न हुआ। नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ने पहली बार भारतीय प्रकाशन बिरादरी का यहाँ प्रतिनिधित्व किया।

पुस्तक मेले का उद्घाटन 1 मई, 2012 को ईरान के माननीय राष्ट्रपति अहमदीनेजाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने आशा व्यक्त की कि तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक समारोह के लिए एक प्रतिष्ठित स्थान बने। उन्होंने कहा, ''पुस्तक मेले मानवता के बेहतर भविष्य के लिए राह खोले।'' उन्होंने कहा कि ऐसे वृहत साहित्यिक-सांस्कृतिक आयोजन की वजह से लेखक, विद्वान, विचारक और कलाकार एक-दूसरे के निकट आते हैं और यह उनमें आपसी समझदारी और संवाद के द्वार खोलते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मानवता की तभी मुक्ति हो सकती है जब सभी सीमाएँ और बेड़ियाँ खत्म हो जाएँ और सभी लोग एक-दूसरे से प्यार करने लगें और वे ज्ञानवान हो जाएँ। राष्ट्रपति महोदय ने कहा, ''तीन स्तंभ–विज्ञान, प्यार और न्याय इन बंधनों/बेड़ियों को हटा सकते हैं और किताब इन तीनों को थामने वाला या धारक है।''

विदित हो कि तेहरान वार्षिक अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला विश्व की एक महत्वपूर्ण प्रकाशन परिघटना है जहाँ देश और विदेश के प्रकाशक अपने नवीनतम प्रकाशनों को प्रदर्शित करने हेतु इकट्ठा होते हैं। इस बार 2,400 से अधिक ईरानी प्रकाशक और 77 देशों के 1,600 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक पुस्तक मेले में शामिल हुए। विगत 25 वर्षों में कुछ-कुछ सामाजिक के साथ-साथ यह एक बड़ी सांस्कृतिक परिघटना भी बन गई है। इस पुस्तक मेले में प्रतिदिन लगभग 5 लाख लोग आए, जिनमें अधिकतर स्कूली बच्चे तथा विश्वविद्यालय के छात्र थे। पुस्तक मेले में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के अलग-अलग खंड थे।

पुस्तक मेले की खास बात यह थी कि छात्रों को मेले में 1500-3000 तोमान (ईरानी मुद्रा) मूल्य के कूपन दिए गए, जिससे वे अपनी पसंद की पुस्तकें खरीद सकें। पुस्तक मेले में प्रवेश को निःशुल्क रखा गया था। पुस्तकप्रेमियों ने भारतीय पुस्तकों में बड़ी रुचि दिखाई, पर पुस्तकें विक्रयार्थ न होने से वे मायूस नजर आए। वैसे, इन पुस्तकप्रेमियों का ई-मेल नोट कर लिया गया ताकि उन्हें ट्रस्ट के मुखपत्र ऑनलाइन भिजवाया जा सके। तेहरान में भारतीय राजदूत डॉ. डी.पी. श्रीवास्तव ट्रस्ट के स्टॉल पर आए और ट्रस्ट के स्टॉल को 'प्रभावकारी' बताकर इसकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ''हमारे भाषायी और सांस्कृतिक जुड़ाव के कारण इन दोनों देशों के बीच वृहत्तर आदान-प्रदान की प्रचुर संभावना है। यहाँ भारतीय पुस्तकें और लेखक बेहद पसंद किए जाते हैं। यह तथ्य एनबीटी को भविष्य में कुछ और अधिक करने को प्रेरित करेगा।''

12 मई को ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा रहमानी तथा संस्कृति मंत्री सय्यद मोहम्मद होसैनी की गरिमापूर्ण उपस्थिति में पुस्तक मेला का समापन हो गया। इस 11 दिवसीय पुस्तक मेले में लगभग 50 लाख से अधिक पुस्तकप्रेमी आए।

पुरी में 22वें हिंदी सम्मेलन व कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा एवं प्रबंधन विकास संस्था, दिल्ली द्वारा पुरी (ओडिशा) में 15 से 18 मई, 2012 तक 22वें हिंदी सम्मेलन व कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन व कार्यशाला में देशभर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों के 60 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के दौरान गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, श्री केवल कृष्ण ने 'राजभाषा हिंदी के लिए आईटी टूल्स के उपयोग' की जानकारी पॉवर पॉइंट प्रदर्शन के माध्यम से दी। श्री प्रेम सिंह, निदेशक (राजभाषा) ने राजभाषा हिंदी की नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा श्री सुभाष चंदर ने टिप्पण-आलेखन पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

ने.बु.ट्र. में हिंदी संपादक श्रीमती उमा बंसल ने नेशनल बुक ट्रस्ट के कार्यों के बारे में उपस्थित प्रतिभागियों को जानकारी दी तथा फिल्म्स डिवीजन के संयुक्त निदेशक, श्री राजेंद्र रावत ने हिंदी भाषा से संबंधित डॉक्यूमेंटरी फिल्मों की जानकारी दी। इसी क्रम में साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल के वैज्ञानिक श्री सुनील कुमार मीणा, ने.बु.ट्र. से श्रीमती उमा बंसल, फिल्म्स डिवीजन, मुंबई के श्री राजेंद्र रावत व दिल्ली के श्री किशोर श्रीवास्तव आदि ने अपनी सुमधुर रचनाएँ प्रस्तुत कीं। इस दौरान श्री श्रीवास्तव द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु तैयार की गई कार्टून व लघु रचनाओं की पोस्टर प्रदर्शनी 'खरी-खरी' का आयोजन भी किया गया। अंत में संस्था द्वारा प्रतिभागियों को कोणार्क व जगन्नाथ पुरी का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। संस्था प्रमुख श्री निशांत शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्मेलन व कार्यशाला का समापन हुआ। ट्रस्ट में वरिष्ठ आशुलिपिक श्री सुभाष चंद्र श्रीमती बंसल के सहयोगी थे।

पुरी में कार्यशाला का एक दृश्य

पुस्तक समीक्षा

रह गईं दिशाएँ इसी पार (उपन्यास)
संजीव; पृ. 312 ₹ 350
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-02
एक प्रयोगात्मक उपन्यास, जिसमें मिथ है, इतिहास है, विज्ञान और प्रौद्योगिकी है। जीवन और मृत्यु के दोनों छोरों के आर-पार ढलकते चले गए इस उपन्यास में सृष्टि और संहार पर भी विचार है। हिंदी साहित्य में जैविकी पर रचा गया पहला उपन्यास इसे कहा गया है।

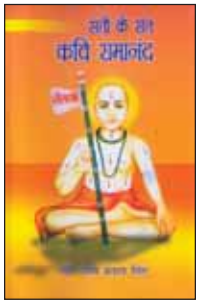

संतों के संत : कवि रामानंद (जीवन और वाणी)
डॉ. उदय प्रताप सिंह; पृ. 168 ₹ 250
इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल, 18-बी, साउथ अनारकली, दिल्ली-51
आचार्य रामानंद रामभक्ति गंगा के भगीरथ कहे जाते हैं। अन्त्यजों और शूद्रों के लिए उनके मन में अपार स्नेह था। उन्होंने भक्ति और भगवान का द्वार सबके लिए खोल दिया। पुस्तक में स्वामी रामानंद की हिंदी वाणियों का मूल पाठ और उसकी व्याख्या भी है। आलोचनात्मक विमर्श स्वामी रामानंद की विचार-दृष्टि को समझने में सहायक है।

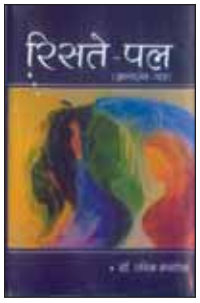

रिसते पल (अंतरंग पत्र)
डॉ. रश्मि मल्होत्रा; पृ. 140 ₹ 300
जूली पब्लिकेशंस, पी-137, पिलंजी, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली-23
पत्र लेखन की विधा आज कम से कमतर होती जा रही है। लेकिन इस कृति में अंतरंग पत्रों के सहारे भावाभिव्यक्तियाँ की गई हैं जो एक सुहृद पाठक को गहरे तक आप्लावित करती है। जिस नारी को घर की चौखट से बाहर निकलने की सुविधा कभी नहीं मिली, उसकी अभिव्यक्ति इन पत्रों में शब्द-दर-शब्द अंकित होती रही।

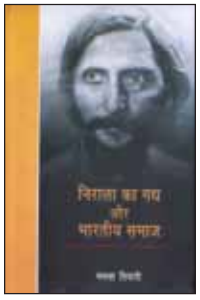

निराला का गद्य और भारतीय समाज (आलोचना)
ममता तिवारी; पृ. 368 ₹ 600
सामयिक बुक्स, 3320-21, जटवाड़ा, दरियागंज, एन. एस. मार्ग, नई दिल्ली-02
महाप्राण निराला के गद्य का विवेचनात्मक विश्लेषण है यह पुस्तक। निराला के कृतित्व के साथ-साथ उनके सामाजिक संस्कार को परखने की कोशिश है यहाँ। लेखिका ने अपनी विशिष्ट शोध दृष्टि से निराला के गद्य में भारतीय समाज के बिखरे सच को इकट्ठा किया है।

निर्मला (विमर्श सहित नाट्य रूपांतरित कृति)
शिव मूरत सिंह; पृ. 144 ₹ 200
विकल्प प्रकाशन, 2226/बी, प्रथम तल, गली नं. 33, पहला पुस्ता, सोनिया विहार, दिल्ली-94
मुंशी प्रेमचंद के चर्चित उपन्यास 'निर्मला' की नाट्य रूपांतर है यह कृति। एक विधा की रचना का दूसरी विधा में रूपांतर एक श्रमसाध्य और समयसाध्य उपक्रम है। लेखक इस मानक पर कहाँ तक खरे उतरे हैं यह तो पाठक ही तय करेंगे, लेकिन उनकी इस कोशिश की सराहना की जानी चाहिए।

हिंदी का आलोचना पर्व (आलोचना)
कृष्णदत्त पालीवाल; पृ. 400 ₹ 695
सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
राष्ट्रीयता की अवधारणा और राष्ट्रीय काव्यधारा को समझने की कोशिश के साथ-साथ मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, दिनकर, बच्चन, महादेवी वर्मा, पं. रामनरेश त्रिपाठी, अज्ञेय, सर्वेश्वर दयाल, गिरिजा कुमार माथुर, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, धूमिल समेत कई अन्य रचनाकारों पर आलोचनात्मक चिंतन-मनन है इस पुस्तक में।

गीत कितने गा चुकी हूँ (जीवन एवं कर्म)
मनोहर; पृ. 152 ₹ 275
रेमाधव पब्लिकेशंस प्रा. लि., सी-22, तृतीय तल, आर.डी.सी., राजनगर, गाजियाबाद-201001
'एक संगीतमय चमत्कार', 'लाजवाब' आदि विशेषणों से नवाजी गईं आशा भोंसले के संबंध में एक संगीतकार की टिप्पणी है–भूतो न भविष्यति। लगभग सात दशकों से हिंदी फिल्मी गायन के क्षेत्र में अपनी आवाज का जादू बिखेरने वालीं आशा जी के जीवन एवं कर्म का कई संस्मरणों के सहारे समझने-गुनने की कोशिश है यह कृति।

तमसो मा ज्योतिर्गमय (कविता संग्रह)
मुमताज़ सादिक
पृ. 88 ₹ 100
संवेदना प्रकाशन, ट्रक गेट, कासिमपुर, अलीगढ़-202127
प्रस्तुत गीतों में समाज की विसंगतियों, विडंबनाओं पर प्रहार है तो वहीं मन की कोमल अनुभूतियों को भी पिरोया गया है। रचनाकार गीत, ग़ज़ल, दोहा, मुक्तक और लघुकथा लेखन के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। गीतों में लय और छंद है जो पाठक को स्वयं से जोड़ते हैं।

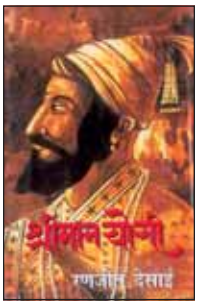

श्रीमान योगी (उपन्यास)
रणजीत देसाई; अनु. : प्रो. वेदकुमार वेदालंकार
पृ. 992 ₹ 795
राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-02
शिवाजी महाराष्ट्र के ही नहीं समस्त हिंदुस्तान के एक ऐसे चरितनायक हैं जिनकी मेधा और शक्ति और प्रत्युपन्नमिता के किस्से लोकमानस के अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इस सुदीर्घ कृति में इसी महानायक का वृत्तांत ऐतिहासिक तथ्यों के आलोक में उपन्यास विधा में प्रस्तुत किया गया है।

नकली सपेरिन (उपन्यास); *एम. एम. दयाल;* पृ. 492 ₹ 500
जे.एम.डी. प्रिंटर्स, बाईपास चौक, राजपुर तह. पालमपुर, जिला-कांगड़ा, हि.प्र.
एक काल्पनिक सामाजिक प्रेम कहानी। इसके माध्यम से समाज की विभिन्न कुरीतियों, रीति-रिवाजों, यथा–दहेज प्रथा, जातिवाद, छुआछूत आदि पर चिंतन किया गया है। उपन्यास में वर्णित कथा 1940 की है, यानी आज से लगभग 60 वर्ष पूर्व की। उपन्यास के अधिक पृष्ठ पाठकों के धैर्य की परीक्षा लेते-से प्रतीत होते हैं।

नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया पाठकों की भाषा, संस्कृति, आयु-वर्ग और रुचियों की विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों की पुस्तकें प्रकाशित करता है। इस प्रकार विज्ञान, कला, पर्यावरण तथा कई अन्य विषयों के सूचना-प्रधान साहित्य से लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों के कथा साहित्य; और बच्चों के लिए सुंदर ढंग से चित्रित साहित्य तक व्यापक विषयों पर ट्रस्ट की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकें 32 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में, उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। ट्रस्ट का लगातार यह प्रयास रहा है कि वह अपने प्राधिकृत पुस्तक विक्रेताओं के एक बेहतर नेटवर्क के अलावा देश के प्रत्येक जिले में किताब क्लब सदस्यों के नामांकन के द्वारा अपनी किताबें पहुंचाए।

ट्रस्ट की पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ट्रस्ट 1994 से ही एक किताब क्लब योजना का संचालन कर रहा है।

नियम एवं शर्तें

सदस्यता

1. भारत का कोई भी व्यक्ति या संस्था नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब का सदस्य बन सकता है।
2. व्यक्ति के लिए 100/-रुपये तथा संस्थाओं के लिए 500/- रुपये का नाममात्र का आजीवन अप्रतिदेय सदस्यता शुल्क।

मुख्य विशेषताएं

1. सदस्यों को एक विशेष परिचय नंबर के साथ सदस्यता कार्ड जारी किया जाएगा।
2. किताब क्लब के सदस्य ट्रस्ट के क्षेत्रीय कार्यालयों, प्रदर्शनी/पुस्तक मेला स्टॉल, सचल वाहन एवं ट्रस्ट के अन्य विक्रय केंद्रों से ट्रस्ट की पुस्तकों की खरीद पर 20 प्रतिशत की छूट पा सकते हैं।
3. नेशनल बुक ट्रस्ट सांस्थानिक सदस्यों को ट्रस्ट के मासिक बुलेटिन, सूचीपत्र तथा अन्य प्रचार सामग्री नियमित रूप से भेजेगा।
   सूचीपत्र, अन्य प्रचार/सूचना सामग्री तथा हमारे मुद्रित बुलेटिनों की सॉफ्ट कॉपी किसी व्यक्तिगत सदस्य को उनके अनुरोध पर डाक/ई-मेल द्वारा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

डाकखर्च

4. पुस्तकें वी.पी.पी./बुक पोस्ट (अग्रिम भुगतान होने पर) से भेजी जाएंगी। 200 रुपये या उससे कम के आदेश पर पूरा डाकखर्च जोड़ा जाता है और 201 रुपये से अधिक के आदेश पर ट्रस्ट पूरा डाकखर्च वहन करेगा।

किताब क्लब सदस्यता प्रपत्र

(व्यक्तिगत / सांस्थानिक)

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया
वसंत कुंज, फेज-II, नई दिल्ली-110070
दूरभाष : 011-26707700 फैक्स : 011-26121883
ई-मेल : nbtindia@nbtindia, वेबसाइट : www.nbtindia.org.in

(कृपया इस प्रपत्र के साथ **नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया** के नाम 100/500 रुपये का बैंक ड्राफ्ट भेजें)।

1. नाम/संस्था (स्पष्ट अक्षरों में).....
   .....
2. पूरा पता.....
   .....
   .....पिन कोड.....
3. फोन/मोबाइल नं. .....
4. ई-मेल.....
5. व्यवसाय.....
6. उम्र.....
7. बैंक ड्राफ्ट का विवरण.....
   बैंक ड्राफ्ट सं. एवं तिथि.....
   द्वारा जारी.....
   प्राप्य बैंक.....

मैंने एनबीटी किताब क्लब की सदस्यता के नियम-विनियम पढ़ लिए हैं और ये मुझे मान्य हैं ।

हस्ताक्षर

स्थान : .....

दिनांक : .....

(क्रम सं. 1,2,4 तथा 7 अनिवार्य हैं)।

— — — — — — — — — — — — — — — — — — — —

मैं.....श्री/श्रीमती/सुश्री.....

से किताब क्लब सदस्यता के लिए.....रुपये प्राप्त करता हूं।

(हस्ताक्षर)

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के लिए

R.N.I. No. 64445/96
Postal Regd. No. DL (SW) 1/4077/2012-14
Licence to post without prepayment
L. No. U(SW) 23/2012-14
Mailing date 15/16 same month
Date of publication 08/06/2012

चिट्ठीघर

संवाद का मई अंक गागर में सागर लगा। देश एवं विदेशों में ट्रस्ट की गतिविधियों का विवरण पढ़कर स्पष्ट होता है कि ट्रस्ट अपनी भूमिका बखूबी निभा रहा है। **प्रकाश सूना,** मुजफ्फरनगर, उ.प्र.

संवाद के अंक पढ़ने के बाद उन्हें दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, कर्नाटक, धारवाड़ के स्नातकोत्तर ग्रंथालय में रखा जाता है, जहाँ प्राध्यापक से लेकर छात्र तक इनका पारायण करते हैं। सुदूर कर्नाटक में रहने वाले हिंदीप्रेमी पाठकों को **संवाद** से काफी जानकारी मिलती है। **चंदूलाल दुबे,** धारवाड़, कर्नाटक

विश्व पुस्तक मेला जाने का मौका तो नहीं मिला है लेकिन मार्च अंक पढ़कर विश्व पुस्तक मेले के प्रत्येक प्रमुख गतिविधियों से परिचित हो गया। संबंधित तस्वीरें एवं सामग्री का प्रस्तुतीकरण पसंद आया। **डॉ. प्रभात कुमार सिन्हा,** मधुबनी, बिहार

20वें विश्व पुस्तक मेले के बारे में मार्च अंक को पढ़कर जानकारी में वृद्धि हुई। ऐसे मेले साहित्यिक एवं भावनात्मक एकता स्थापित करने में भी मदद करते हैं। ऐसे मेले देश के विभिन्न भागों में पहले से ज्यादा आयोजित किए जाने चाहिए। अप्रैल अंक भी प्राप्त हुआ। विभिन्न गतिविधियों का विवरण ज्ञानवर्धक लगा।

प्रो. शामलाल कौशल, रोहतक, हरियाणा

पत्र के फरवरी एवं मार्च अंकों में विश्व पुस्तक मेला के संबंध में दी गई जानकारी पुस्तकप्रेमियों, विशेष रूप से दिल्ली से बाहर के, के लिए बेहद उपयोगी हैं। वास्तव में **संवाद** पुस्तक एवं पाठकों के बीच एक सेतु का काम कर रहा है।

डॉ. जे.सी. लाड, इंदौर, म.प्र.

पाठक मंच बुलेटिन
बच्चों की द्विभाषी पत्रिका
वार्षिक शुल्क : ₹ 50.00

संपादक, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया
फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070

सेवानिवृत्ति

ट्रस्ट में 40 वर्षों तक सेवारत रहते हुए **श्रीमती जयंती मल्होत्रा** सहायक निदेशक पद से 30 अप्रैल, 2012 को सेवानिवृत्त हो गईं। अप्रैल 1970 में कनिष्ठ आशुलिपिक पद से सेवारंभ करते हुए श्रीमती मल्होत्रा 1972 में वरिष्ठ आशुलिपिक और 1991 में प्रोन्नत होकर अधीक्षक के पद पर पहुँचीं। 2005 में सहायक निदेशक बनीं और इसी पद से सेवानिवृत्त हुईं। अपने लंबे सेवाकाल में उन्होंने ट्रस्ट के विभिन्न विभागों, यथा– उत्पादन, संपादकीय, विक्रय (समन्वय), विक्रय (उ.क्षे.का.) तथा स्थापना में अपना सेवा-योगदान किया। ट्रस्ट उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना करता है।

श्रीमती जयंती मल्होत्रा को पुष्प-गुच्छ प्रदान करते हुए संयु. निदेशक (उत्पा.) श्री सतीश कुमार; मध्य में बैठी हैं संयु. निदेशक (प्रशा.) श्रीमती फरीदा एम नाईक

नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद* भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का मुख पत्र है।

इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से ट्रस्ट की सहमति का होना आवश्यक नहीं है।

संपादक : **बलदेव सिंह 'बद्दन'**
कार्यकारी संपादक : **दीपक कुमार गुप्ता**
उत्पादन सहयोग : **दीपक जैसवाल**

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
ई-मेलः nbtindia@ndb.vsnl.net.in
वेबसाइट : www.nbtindia.org.in

पाठकों से अनुरोध है कि वे **नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद*** के बारे में अपने विचार संपादक को लिखें।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 की ओर से सतीश कुमार, संयुक्त निदेशक (उत्पादन) द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित; तथा पुष्पक प्रेस प्रा.लि., 203-204, डी.एस.आई.डी.सी. शेड, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-I, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित।

एस.एस. इंटरप्राइजेज, प्रथम तल, जी.जी.-1/36बी, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018 से टाइपसेट।

भारत सरकार के सेवार्थ

डाक वापसी की दशा में कृपया इस पते पर वापस करें :
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070